# 1857 की क्रान्ति

- → भारत का गवर्नर जनरल → लार्ड कैनिंग
- → राज० का A.G.G. → पैट्रिक लॉरेंस
- → नोट : राज० का पहला A.G.G. → मिस्टर लॉकेर
- → राज० में सन्धियां करवाने का काम → कर्नल टॉड
- → राज० में सन्धियों पर हस्ताक्षर → चार्ल्स मैटकॉफ
- → राज० में सहायक सन्धि करने वाली रियासत → भरतपुर
  - 29 सितम्बर 1803 — रणजीत सिंह

विस्तृत व्यापक सन्धि → कोटा → 1817 → उम्मेदसिंह

आक्रमक सन्धि " → अलवर → 1803 → विनय सिंह

अधिनस्थ सन्धि - → करौली → 1817 → हरबक्ष पालसिंह

सबसे अन्त मे सन्धि → सिरोही → 1823 → शिव सिंह

→ डुंगरपुर, बासंवाडा, प्रतापगढ की सन्धि → चार्ल्स मेलकम ने करवायी

→ राज० मे 1857 की क्रान्ति का शहीद | मगल पाण्डे : अमरचन्द बान्ठीया

→ राज० मे स्वतंत्रता सग्राम का भामाशाह → दामोदर दास

अंग्रेजों का मुख्यालय → अजमेर (सर्दी) → "शस्त्रागार"
↳ गर्मी → माउन्ट आबु

| P.A | मुख्यालय | शासक |
| --- | --- | --- |
| मैक मौसन → | मारवाड → | तख्त सिंह |
| मेजर सावर्स → | मेवाड → | स्वरूप सिंह |
| मेजर ईडन → | जयपुर → | राम सिंह II |
| मेजर बर्टन → | कोटा → | महाराव राम सिंह |
| मेजर मॉरिसन → | भरतपुर → | जसवन्त सिंह |

राज० मे 1857 की क्रान्ति मे 6. सैनिक छावनीया थी

Trick → ए नानी ब्या देख के

1 ए – एरिनपुरा पाली

2 ना → नसीराबाद अजमेर

3 नी → निमच → M.P

4 ब्या → ब्यावर → अजमेर

5 दे → देवली → टोंक

6 ख → खैरवाड़ा → उदयपुर

ब्यावर और खैरवाड़ा मे क्रान्ति नही हुयी

MPSV

नसीराबाद :- 28 मई 1857 राज० मे सर्वप्रथम क्रान्ति की शुरुआत

↳ गठन → 25 जून 1818

↳ 15 वी रेजिमेंट के सिपाही → बख्तावर सिंह के नेतृत्व

↳ यहा स्पोटिस वुड व न्युनबरी के टुकडे कर दिया

↳ कर्नल पैनी की हृदयगति रूकने से मृत्यु

नोट → नसीराबाद मे पहले से 30 वी बटालियन मौजूद थी

↳ 15 वी और 30 वी बटालियन दिल्ली की तरफ

नोट → वर्तमान मे भारत सरकार ने 62 सैनिक छावनीया बन्द करने का प्लान

नसीराबाद भी शामिल

नीमच → 3 जून 1857

↳ मोहम्मद अली बेग / हीरालाल के नेतृत्व

↳ यहां 40 अंग्रेज अधिकारी बन्दी बनाकर डुंगला चित्तौड़गढ़ में रूगाराम किसान के घर कैद रखा

↳ मेवाड़ के P.A. मेजर सावर्स के कहने पर मेवाड़ महाराणा स्वरूप सिंह इन अंग्रेज अधिकारियों को पिछोला झील के किनारे शरण दी

नोट → 1857 की क्रान्ति में अंग्रेजों का साथ देने वाला पहला शासक

↳ महाराणा स्वरूप सिंह

नीमच के क्रान्तिकारियों को शाहपुरा के लक्ष्मण सिंह ने शरण दी

↳ क्रान्तिकारियों का निम्बाहेड़ा मे स्वागत किया

<u>खैरवापुरा</u> :- पाली → <u>21 अगस्त 1857</u>

↳ <u>नेतृत्व</u> → मोती खा तिलक राम, शीतल प्रसाद के नेतृत्व

↳ शिवनाथ के नेतृत्व मे "चलो दिल्ली मारो फिरंगी को"

यहां → पैट्रिक लॉरेंस के पुत्र एलेक्जेंडर की हत्या कर दी

<u>मॉट</u> → 1835 मे जोधपुर लीजन का गठन

धौलपुर → 27 अक्टूबर

- शासक → भगवंतसिंह ने अंग्रेजों का साथ दिया
- नेतृत्व → रामचन्द्र, गुर्जर देवा, हीरालाल के नेतृत्व
- एकमात्र रियासत धौलपुर जहां क्रान्ति करने वाले भी बाहर (ग्वालीयर इन्दौर) और क्रान्ति को दबाने वाले भी बाहर (पटियाला) के थे

भरतपुर → 31 मई

↳ शासक → जसवन्त सिंह ने अंग्रेजों का साथ दिया

नेतृत्व → गुर्जर | मेवों के नेतृत्व

बीकानेर : एकमात्र शासक BKNR के महाराजा सरदार सिंह जो अंग्रेजों का साथ देने के लिए राज० से बाहर हांसी, हिसार बडालू गये।

अंग्रेजों ने महाराजा सरदार सिंह टीब्बी परगना दिया।